गृह मंत्रालय में अस्थायी कर्मचारी

४३५. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या गृह-कार्य मंत्री एक विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे जिसमें यह बताया गया हो कि :

(क) ३१ मई, १९६१ को उनके मंत्रालय में विभिन्न श्रेणियों के ऐसे अस्थायी कर्मचारियों की संख्या कितनी थी जिनकी सेवा की अवधि (१) पांच वर्ष तक, (२) ५ वर्ष से १० वर्ष तक, (३) १० से २० वर्ष तक, और (४) २० वर्ष से अधिक की थी ; और

(ख) ये अस्थायी कर्मचारी कब तक स्थायी कर दिये जायेंगे ?

f [TEMPORARY EMPLOYEES IN THE HOME MINISTRY

435. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to lay on the Table of the House a statement showing:

(a) the number of temporary employees of different categories in his Ministry as on the 31st May, 1961 whose length of service is (i) upto 5 years, (ii) between 5 and 10 years, (hi) between 10 and 20 years and (iv) more than 20 years; and

(b) by when these temporary employees will be made permanent?]

गृह-कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बी० एन० दातार) : (क) इस मंत्रालय के सम्बन्ध में मांगी गई सूचना संलग्न विवरण में दी गई है । [देखिये परिशिष्ट ३५, अनुपत्र संख्या ३५]

(ख) सम्भवत : लगभग ५० प्रतिशत अस्थायी कर्मचारियों को जल्दी ही स्थायी कर दिया जायेगा, जब और स्थायी पद उपलब्ध होंगे तो बाकी कर्मचारियों को भी स्थायी कर दिया जायेगा । स्थिति की जांच नियत समय पर होती रहती है ।

|[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI B. N. DATAR) : (a) The requisite information in respect of the •Ministry is contained in the attached statement. [See Appendix XXXV. annexure No. 35.]

(b) Nearly 50 per cent of the temporary employees are likely to be made permanent shortly and the rest as and when more permanent posts become available. The position is reviewed periodically.]

नाहर कटिया और मोरान तेल क्षेत्रों में प्रगति

४३६. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या इस्पात, खान और ईंधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि नाहर कटिया और मोरान तेल क्षेत्रों के प्रोजक्ट्स में १ जुलाई, १९६० से ३० जून, १९६१ तक के साल में क्या प्रगति हुई, और तेल के उत्पादन में भी कितनी प्रगति हुई ?

t [PROGRESS IN THE NAHAR KATIA AND MORAN OILFIELDS

436. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of STEEL, MINES AND FUEL be pleased to state the progress made during the year beginning from the 1st July, 1960 to the 30th June, 1961 in the Nahar Katia and Moran Oilfields projects and also the progress made towards the production of oil?]

इस्पात, खान और ईंधन मंत्री (सरदार स्वर्ण सिंह) : एक विवरण-पत्र सभा-पटल पर रख दिया है ।

t[ ] English translation.

विवरण

(१) १–७–१६६० से लेकर ३० जून, १६६१ की अवधि के दौरान में :—

(क) कुल २६ कुओं के व्यधन का कार्य पूरा किया गया ।

(ख) कच्चे तेल का कुल उत्पादन ३१० मिलियन लिटर था और प्राकृतिक गैस का उत्पादन ५७ मिलियन घन मीटर ।

(ग) नल पथ परियोजना के निर्माण के कार्य की प्रगति निम्नप्रकार थी :—

	मील
साफ किये गये रास्ते की लम्बाई	२४८
साथ साथ रखे गये पाइप की लम्बाई . .	२४८
वैल्ड किये गये पाइप की लम्बाई .	२४८
खोदी गई खाई की लम्बाई .	२१०
लपेटी गई पाइप की लम्बाई .	२१०
खाई में उतारे गये और मिट्टी से ढके गये पाइप की लम्बाई .	२१०
साफ किये गये रास्ते की लम्बाई .	२१०

(२) दूर से नियंत्रित होने वाले सिगनलों (Telecontrol Signals) के अभिचालन के स्थानों की स्थापना के अन्तिम सर्वेक्षण के कार्य को पूरा किया गया ।

(३) नल-पथ के प्रवेश द्वार पर पम्पिंग सैटों की स्थापना का कार्य शुरू किया गया, और सेकोनी, जोरहट तथा नूनमति के पम्प केन्द्रों पर मशीनों, कर्मचारियों और कच्चे तेल एवं ईंधन टैन्कों के लिए भवनों के निर्माण का कार्य आरम्भ किया गया ।

(४) आसाम में नल-पथ परियोजना के लिए आवश्यक सारी भूमि का कब्ज़ा ले लिया गया है । पश्चिमी बंगाल राज्य में भूमि के अर्जन के लिए सारे प्रस्तावों को कार्यान्वित किया गया और भूमि सत्यापन का कार्य पूरा किया गया । राज्य सरकार ने कुल १४० मीलों में से लगभग ६ मीलों के अर्जन के लिए ६ अधिसूचनाएं प्रकाशित कीं । बिहार के कुल १५५ मीलों में से बरौनी से ८० मीलों तक भूमि का कब्ज़ा प्राप्त करने का कार्य पूरा किया गया है ।

t[THE MINISTER OF STEEL, MINES AND FUEL (SARDAR SWARAN SINGH) *I* A statement is laid on the Table of the Sabha.

STATEMENT

(i) During the period 1-7-60 to 30-6-61:

(a) A total of 29 wells were completed.

(b) Gross production of crude oil was 310 million litres and 67 million cubic meters of natural gas was produced.

(c) Progress of construction on the pipeline project was as follows: —

	Miles
Right of way .cleared .	248
Pipe strung . . .	248
Pipe welded . .	248
Ditch dug . . .	210
Pipe coated & wrapped .	210
Pipe lowered & backfilled .	210
Cleaned up ...	210

(ii) The final survey for siting stations for relay of telecontrol signals was completed.

(iii) Installation of pumping sets was commenced at the entry point to the pipeline and the construction of buildings for housing machinery and

t[ ] English translation.

personnel and of crude oil and. fuel tanks was commenced at the pump stations at Sekoni, Jorhat and Nun-mati.

(iv) Possession of all the land required for the pipeline project in Assam has been taken. In the State of West Bengal all proposals for acquisition of land were filed and ground verification completed. The State Government had published 9 Notifications covering about 9 miles out of 140 miles for acquisition. In Bihar all formalities for taking possession of land have been completed for 80 miles (out of 155 miles) from the Barauni Terminal.]

औद्योगिक एककों में कोयले के स्थान पर भट्टी के तेल का प्रयोग

४३७. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **इस्पात, खान और ईंधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोयले की कमी के कारण क्या सरकार ने देश के औद्योगिक एककों को कोयले के स्थान पर भट्टी का तेल प्रयोग करने की सलाह दी है और यदि हां तो, कितने कारखानों द्वारा इस तेल का प्रयोग करना संभव हो सका है; और

(ख) इस भट्टी के तेल का मूल्य क्या है और यह कहां से आयात किया जाता है ?

f[USE OF FURNACE OIL IN PLACE OF COAL IN INDUSTRIAL UNITS

437. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of STEEL, MINES AND FUEL be pleased to state:

(a) whether Government haye advised the industrial units in the country to use furnace oil in place of coal due to its shortage and if so, for how many units it has been possible to use this oil; and

(b) what is the price of this furnace oil and from where this is imported?]

इस्पात, खान और ईंधन मंत्री (सरदार स्वर्ण सिंह) : (क) पश्चिमी और दक्षिणी तट के पास कुछ चुने गये उद्योगों में कोयले के स्थान पर भट्टी के तेल (furnace oil) के प्रयोग का प्रश्न अभी सरकार के विचाराधीन है ।

(ख) मुख्य इन्सटालेशन बम्बई से भट्टी के तेल का वर्तमान रेल-पर्यन्त-निशुल्क (F.O.R.) विक्रय-मूल्य १४०.५९ रुपये प्रति मीटर-टन है ।

देश में विद्यमान शोधनशालाओं द्वारा देश के लिए भट्टी के तेल की करीब करीब सारी आवश्यकताएं पूरी की जाती हैं । तो भी कुछ मात्राएं बाहर से मंगाई जाती हैं । १९६० के दौरान में भट्टी का तेल अबादन और रस-टनूरा से आयात किया गया था और जनवरी १९६१ से जून १९६१ तक यह अबादन, अदन, कुवैत और बाहरीन से मंगवाया गया है ।

भट्टी के तेल को दूसरे स्थानों से मंगवाने की सम्भाव्यता पर विचार किया जा रहा है ।

t[THE MINISTER OF STEEL, MINES AND FUEL (SARDAR SWARAN SINGBJ. (a) The question of effecting switchover from coal to furnace oil in some selected industries near the West and South coast is at present under consideration of Government.

(b) The current selling price of furnace oil *ex* F.O.R. main Installation Bombay is Rs. 140.59 per metric ton.

By and large, the country's requirements of furnace oil are met from the refineries in the country. Some quantities are, however, imported. During 1960 Furnace Oil was imported from Abadan and Ras Tanura, and during

t[ ] English translation.